भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1964

उत्तर देने की तारीख: 19/12/2022

शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम का पुनर्मूल्यांकन

†1964 श्री जगदम्बिका पाल:

श्री बैन्नी बेहनन:

श्री के. मुरलीधरन:

श्री विनसेंट एच. पाला:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार मार्च 2022 में एनसीईआरटी द्वारा किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्षों से अवगत है जिसमें पता चला है कि तीसरी कक्षा के 37 प्रतिशत छात्रों के पास सीमित आधारभूत गणितीय कौशल है और 11 प्रतिशत छात्रों के पास बुनियादी ज्ञान और कौशल की कमी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;

(ग) उसी सर्वेक्षण में यह पाया गया है कि 15 प्रतिशत छात्रों में अंग्रेज़ी के बुनियादी कौशल की कमी थी और 30 प्रतिशत छात्रों के पास सीमित कौशल था और यह देखते हुए क्या सरकार शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम का पुनर्मूल्यांकन करना चाहती है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (घ): राष्ट्रीय स्तर पर एनसीईआरटी द्वारा 23 से 26 मार्च, 2022 तक मूलभूत शिक्षा, मूलभूत शिक्षण अध्ययन (एफएलएस) के लिए विस्तृत पैमाने पर मूल्यांकन और मानदंडों का अध्ययन किया गया। एफएलएस 20 अलग-अलग भाषाओं - असमिया, बंगाली, बोडो, अंग्रेजी, गारो, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, खासी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मिजो, नेपाली,

ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित किया गया था। 10,000 स्कूलों के लगभग 86,000 ग्रेड 3 के छात्रों को कवर किया गया था। छात्रों का मूलभूत साक्षरता की उनकी समझ और ग्रेड 3 के लिए निपुण भारत में हाइलाइट किए गए मूलभूत संख्या ज्ञान लक्ष्य के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

एक महत्वपूर्ण साक्षरता कौशल के रूप में, एफ़एलएस 2022 ने कक्षा 3 के छात्रों के 'बोध के साथ पठन' कौशल का आकलन किया। भाषाओं में भाषाविज्ञान के अंतर से संबंधित, बेंचमार्क की गणना 20 भाषाओं में से प्रत्येक भाषा हेतु अलग-अलग की गई है, जिसका उद्देश्य 20 भाषाओं में से प्रत्येक भाषा में अलग-अलग समझ/बोध के साथ पठन में छात्रों के प्रदर्शन की व्याख्या करना है। प्रत्येक भाषा के लिए बोध के साथ पठन के बेंचमार्क https://dsel.education.gov.in/fls_2022 पर देखे जा सकते हैं। तथापि, शिक्षा प्रणाली के सुचारु कार्यकरण को आंकने के लिए, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 (एनएएस) 12 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया था।

मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा मिशन मोड में कार्यक्रम शुरू किया गया है। एफएलएन मिशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे वर्ष 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत शिक्षण मानकों को प्राप्त कर लें। एफएलएन मिशन के तहत, 'बोध के साथ पठन और संख्याज्ञान में प्रवीणता संबंधी राष्ट्रीय पहल' (निपुण-भारत) दिशानिर्देश राष्ट्रीय स्तर पर मूलभूत शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए रोडमैप प्रदान करते हैं।

एफएलएस के बाद की रणनीति के रूप में, अध्ययन के निष्कर्षों का प्रसार करने और आगे की राह पर विचार-विमर्श करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। 'मूलभूत शिक्षण अध्ययन पर राष्ट्रीय कार्यशाला' का आयोजन 4 नवंबर, 2022 को किया गया था। इसके बाद 17-18 नवंबर 2022 को एक विस्तृत 2-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की रिपोर्टों के पठन और उचित व्याख्या करने और मूलभूत शिक्षण प्राप्ति में सुधार हेतु कार्ययोजना बनाने के लिए रोडमैप के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अध्ययन के निष्कर्षों को प्रसारित करने, रिपोर्ट के पठन और उसकी व्याख्या करने और कार्ययोजना बनाने के लिए राज्य/जिला स्तर पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

*****